आदर्श प्रश्न –पत्र का प्रारूप– 2018

कक्षा– 12 विषय– हिन्दी साहित्य अवधि– 3.15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	9	11.25
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	31	38.75
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	30	37.50
4.	कौशल / मौलिकता	10	12.50
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक					
2.	अतिलघूत्तरात्मक	2+2= 4	1, 2	2+4=6	7.50	4+8 =12 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक I	01	02	02	2.50	4 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक II	12	3	36	45	72 मिनट
5.	निबंधात्मक	09	4	36	45	82 मिनट
	योग	26		80	100	170 मिनट

पूर्व पठन – 15 मिनट
पुनरावलोकन – 10 मिनट
योग – 195 मिनट

विकल्प योजना : आन्तरिक

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	इकाई	अंकभार	प्रतिशत
1.	खण्ड 1 हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	16	20%
2.	खण्ड 2 काव्यांग परिचय	16	20 %
3.	खण्ड 3 पाठ्यपुस्तक–सरयू	32	40 %
4.	खण्ड 4 पाठ्यपुस्तक–मंदाकिनी	16	20 %
5.		80	100%
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
11.			
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18			

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय :–हिन्दी साहित्य कक्षा– 12 पूर्णाक :– 80

क्रं.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				योग
		अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	
			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2		
1.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	–	–	–	1(1)	–	–	–	7(2)	–	–	8(1)	–	–	–	–	–	16(4)
2.	काव्यांग परिचय	1(1)	–	2(1)	–	1(1)	–	2(1)	4(1)	–	–	1(–)	3(1)	–	–	1(–)	1(–)	16(6)
3.	पाठ्यपुस्तक–सरयू	1(1)	1(1)	2(1)	–	1(–)	–	8(4)	3(1)	2(1)	1(–)	5(1)	4(1)	–	–	3(–)	1(–)	32(11)
4.	पाठ्यपुस्तक–मंदाकिनी	–	–	1(–)	–	–	–	4(1)	1(–)	–	–	4(2)	2(1)	–	–	3(1)	1(–)	16(5)
5.	योग	**2(2)**	**1(1)**	**5(2)**	**1(1)**	**2(1)**	–	**14(6)**	**15(4)**	**2(1)**	**1(–)**	**18(4)**	**9(3)**	–	–	**7(1)**	**3(–)**	**80(26)**
6.	कुल योग	9(6)				31(11)				30(8)				10(1)				**80(26)**

विकल्पों की योजना :– नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

विशेष नोट –1. प्रश्न संख्या 11,12,13,14 एवं 22 में एकांतिका आंतरिक विकल्प है।

2. प्रश्न सख्या 19 में खण्डात्मक आंतरिक विकल्प है।

हस्ताक्षर

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2018

नमूने का प्रश्न–पत्र

कक्षा–12

विषय – हिंदी साहित्य

अनुक्रमांक ☐☐☐☐☐☐☐☐

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 80 अंक**

खण्ड – 1

प्रश्न 1. भारतेन्दु युग को पुनर्जागरण काल क्यों कहा जाता है? इस काल के गद्य साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

प्रश्न 2. प्रसाद के नाटकों की विशेषताओं का वर्णन करते हुए प्रमुख नाटकों का उल्लेख करिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

प्रश्न 3. रेखाचित्र'' व 'संस्मरण' को परिभाषित करते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए।
(उत्तर सीमा 80 शब्द)

प्रश्न 4. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट करें।
(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 2

प्रश्न 5. माधुर्य गुण की परिभाषा दीजिए। (उत्तर सीमा 10 शब्द)

प्रश्न 6. श्रुति कटुत्व दोष का उदाहरण दीजिए। (उत्तर सीमा 10 शब्द)

प्रश्न 7. कुण्डलिया छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 8. 'गीतिका' व 'हरिगीतिका' की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 9. 'प्रतीप' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। व्यतिरेक व प्रतीप में अंतर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

प्रश्न 10. 'अन्योक्ति' अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 3

प्रश्न 11. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए–

भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है। यहाँ सभी ऋतुएँ समय पर आती है और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं। ऋतुएँ अपने अनुकूल फल–फूलों का सृजन करती हैं। धूप और वर्षा के समय अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है। यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं। यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पड़ती। भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसंद करते थे। वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं। सूर्य और चंद्र दर्शन नित्य और नैमिन्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है।

अथवा

जीवन के सभी क्षेत्रों में भारत के मनीषियों ने अद्भुत आविष्कार किए थे। बात अंतरिक्ष विज्ञान की हो, रसायन विज्ञान की हो, भौतिक विज्ञान की हो, चिकित्सा विज्ञान की हो अथवा निर्माण विज्ञान की । आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों में सर जे.सी.बोस, सी.वी. रमन, डॉ. होमी जहाँगीर भाभा, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि की वैज्ञानिक उपलब्धियों को हम कैसे विस्मृत कर सकते हैं? भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा न्यूनतम खर्च में अपना स्वदेशी उपग्रह मंगल ग्रह पर भेजना आज भी आश्चर्यचकित कर रहा है। अमेरिका हमारी बौद्धिक क्षमता से भयभीत है। जिन लोगों ने हिन्दुस्तान के गौरवपूर्ण अतीत को सामने लाने का प्रयास किया भी, उन्हें संकुचित मस्तिष्क का एवं प्रतिगामी बताकर उपेक्षित किया।

प्रश्न 12. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए–

मलय समीर सुभ सौरभ धरन धीर,
सरबर नीर जन मन्जन के काज के।
मधुकर पंज पुनि मंजुल करत गूँज,
सुधरत कुंज सम सदन समाज के।।
व्याकुल वियोगी, जोग कै सकै न जोगी, तहाँ,
वितरत भोगी सेनापति सुख साज के।
सघन तरू लसत, बौलें पिक–कुल सत,
देखो हिय हुलसत आए रितुराज के।।

अथवा

न्योयोचित अधिकार माँगने
से न मिले, जो लड़ के,
तेजस्वी हरीनते समर को
जीत, या कि खुद मरके।

किसने कहा, पाप है समुचित
स्वत्व–प्राप्ति–हित लड़ना?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना–मरना?

प्रश्न 13. मैं सोचता हूँ कि पुराने की अधिकार लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? 'शिरीष के फूल' अध्याय के आधार पर उपर्युक्त कथन की व्याख्या करते हुए वर्तमान राजनीति में इसकी प्रासंगिकता बताइए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

''अब कुछ नहीं हो सकता.......... इस देश का भगवान ही मालिक है।'' आज देशवासियों की यह पंक्ति लेखक को क्यों झकझोर देती है? इस कथन के प्रति अपने मौलिक विचार भी लिखिए।

प्रश्न 14. ''रहीम की रचनाएँ जीवन रस से परिपूर्ण है।''

उपर्युक्त कथन की समीक्षा उदाहरण सहित पठित अध्याय के आधार पर कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

कवि सुमित्रानन्दन पंत की कविता 'भारतमाता' का प्रतिपाद्य बताते हुए उदाहरण सहित समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 15. 'अहिंसा, करुणा, मैत्री और विनय' नामक गुणों को भारतीय संस्कृति के मुख्य अंगों में स्थान देने का क्या कारण है? 'भारतीय संस्कृति' अध्याय के आधार पर समीक्षा कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

''तुलसी का काव्य और लोक–संस्कृति, दोनों अभिन्न हैं।'' इस कथन की व्याख्या 'भक्ति आंदोलन और तुलसीदास' अध्याय के आधार पर कीजिए।

प्रश्न 16. ''कौन निःस्वार्थ किसी के साथ सलूक करता है। 'गुल्ली डंडा' कहानी के कथा नायक न`ऐसा किस घटना के संदर्भ में कहा? साथ ही इस कथन पर अपने मौलिक विचार संक्षेप में लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 17. मंदोदरी का चरित्र–चित्रण कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 18. यहु ऐसा संसार है, जैसा सेवल फूल।
दिन दस के त्यौहार कौं, झूठे रंग न भूलि।

कबीर दास जी के इस दोहे का काव्य सौंदर्य लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 19. कवि घनानंद अथवा लेखिका महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व व कृतित्व पद टिप्पणी लिखिए। (उत्तर सीमा 40 शब्द)

प्रश्न 20. कहानी 'सेव और देव' में लेखक के द्वारा फाहियान के जमाने का आदर्श किसे और

क्यों कहा है? (उत्तर सीमा 40 शब्द)

प्रश्न 21. 'रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सकता
वस्त तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त'
इन पंक्तियों में राम व रावण की कौन सी असमानता व्यंजित होती है? समझाइए। (उत्तर सीमा 40 शब्द)

प्रश्न 22. 'निज प्रेम पर स्वदेश प्रेम की महत्ता है।'
'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए। (शब्द सीमा 80)

अथवा

किसी भी राष्ट्र को सम्पूर्ण रुप से समझने के लिए किन आधारभूत तत्त्वों का होना आवश्यक है?

प्रश्न 23. ''वर्तमान युग में वृद्ध दम्पत्तियों को एकाकीपन का दंश झेलना पड़ रहा है।'' इस कथन की पाठ के अनुसार व्याख्या कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 24.''अपने निःस्वार्थ कार्यों से किसी के भी व्यक्तित्व में परिवर्तन लाया जा सकता है।'' इस कथन की व्याख्या 'सुभाषचन्द्र बोस' संकलित के आधार पर कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 25. ''गेहूँ बनाम गुलाब'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने दूषित मानसिकता वालों को क्या संज्ञा दी है और क्यों? (उत्तर सीमा 60 शब्द)

प्रश्न 26. आर्य जाति की उच्च कोटि की मानसिकता ने भारत को विश्व में 'धर्मगुरु' के रुप में प्रतिष्ठित किया।'' हमारी पृष्ठभूमि व इसका गौरवमय अतीत' पाठ के आधार पर समझाइए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

उत्तर तालिका – हिन्दी

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	खंडवार अंक	अंक	पाठ्य पुस्तक की संख्या
1.	पुनर्जागरण की भावना से प्रेरित, मातृभूमि प्रेम, स्वदेशी वस्तुओं से प्रेम, गौ–रक्षा, बाल विवाह निषेध आदि जन जागरण विषयों का समावेश। ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज आदि का प्रभाव। जन कल्याण हेतु साहित्य सृजन आर्थिक, सामाजिक व धार्मिक सुधार सम्बन्धी साहित्य।	2+2	4	हिंदी साहित्य का इतिहास पृ.सं.–98,101
2.	द्वन्द्वात्मकता, राष्ट्र प्रेम, नारी सममान, तत्सम शब्दावली का प्रयोग, ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना एवं यथार्थ परक नाटक। प्रमुख– अजातशत्रु, स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त आदि।	3+1	4	हिंदी साहित्य का इतिहास पृ.सं.–114, 115
3.	रेखाचित्र– शब्दों के माध्यम से किसी स्मृति का जीवित समान चित्र प्रस्तुतीकरण। संस्मरण– किसी भी भूतकाल की स्मृति में बसी किसी विशेष घटना का प्रस्तुतीकरण। अन्तर– दोनों में अन्तर को स्पष्ट करना।	½1+1½ +1	4	हिंदी साहित्य का इतिहास पृ.सं.–136, 139
4.	1. हिन्दी गद्य को परिष्कृत करने का कार्य 2. 1903–20 तक 'सरस्वती पत्रिका' के प्रकाशन का कार्य 3. प्रमुख रचनाएं 4. मौलिक पद व अनुवाद 5. कवि, आलोचक, निबन्धकार व साहित्यकार के रुप में कार्य	–	4	हिंदी साहित्य का इतिहास पृ.सं.–104, 105
5.	रचना पढ़कर पाठक का चित्त आनन्द से द्रवित हो जाए।	–	1	रस छंद अलंकार पृ.सं.–5
6.	जो शब्द कठोर अक्षरों से बने हो व सुनने में अच्छे लगे	–	1	रस छंद अलंकार पृ.सं.–5
7.	रोला व दोहा से निर्मित मिश्रित छंद पहली दो पंक्तियों में दोहा व अन्तिम चार में रोला। उचित उदाहरण स्वीकार्य।	2+1	3	रस छंद अलंकार पृ.सं.–53
8.	गीतिका– परिभाषा, सम–मात्रिक छंद, 26 मात्राएं, यति 14 व 12 पर हरिगीतिका– परिभाषा, सम–मात्रिक, चार चरण, प्रत्येक में 28 मात्राएं, यति 16 व 12 पर अन्तर– चरणों में, मात्राओं में यति पर	2+1	3	छंद अलंकार प्रवेशिका पृ.सं.–46, 47
9.	परिभाषा– प्रतीप का अर्थ उल्टा होता है। यह उपमा के विपरीत होता है। उचित उदाहरण स्वीकार्य अन्तर– (i) प्रतीप में उपमा के अंगों में उलटफेर होता है। व्यतिरेक में उपमेय का उत्कर्ष या उपमान का अपकर्ष दिखाया जाता है। (ii) व्यतिरेक में विशेषताओं या अवगुणों का महत्व रहता है। प्रतीप में ऐसा नहीं होता।	2+1+1	4	अलंकार परिचय पृ.सं.–68
10.	अन्योक्ति– अन्य की उक्ति अर्थात् उपमान की उक्ति या कथन कर के उपमेय का निरुपण किया जाये। विशेषताएं– (i) अप्रस्तुत से प्रस्तुत का अर्थ निकले (ii) चमत्कार के साथ अर्थ (iii) रोचक	+2+2	4	साहित्यशास्त्र परिचय पृ.सं.–72
11.	सप्रसंग व्याख्या पुस्तक – सरयू लेखक – बाबू गुलाबराय अध्याय– भारतीय संस्कृति उचित भाव व व्याकरण सम्मत भाषा युक्त व्याख्या स्वीकार्य	1+2	3	साहित्यशास्त्र परिचय पृ.सं.–78

उत्तर तालिका – हिन्दी

	अथवा पुस्तक – सरयू लेखक – श्रीधर पराड़कर अध्याय– भारत भी महाशक्ति बन सकता है। उचित भाव व व्याकरण सम्मत भाषा स्वीकार्य है।	1+2	3	साहित्यशास्त्र परिचय पृ.सं.–134
12.	सप्रसंग व्याख्या अध्याय– सेनापति कवि– सेनापति बसंत ऋतु वर्णन से युक्त उचित भाषा व व्याकरण सम्मत भाषा युक्त व्याख्या स्वीकार्य अथवा पुस्तक – सरयू कवि – रामधारी सिंह दिनकर अध्याय– कुरुक्षेत्र उचित भाव व व्याकरण सम्मत भाषा युक्त उचित व्याख्या स्वीकार्य	1+2	3	साहित्यशास्त्र परिचय पृ.सं.–19 पृ.सं.–42
13.	शिरीष के फूल अत्यंत मजबूती से अपने वृन्त से जुड़े रहते है, जब तक नए फूल–पत्ते उन्हें धक्का देकर ना गिरा दे। इसी प्रकार सत्ता प्राप्त व्यक्ति तब तक अपना पद नहीं छोड़ता, जब तक नई पौध उन्हें न हटा दे, इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य है। अथवा लेखक श्रीधर पराड़कर को अत्यंत दुःख होता है कि भारतवासी अपने गौरवमयी अतीत को भुला बैठे है। भारतवासियों में आत्मविश्वास व गौरव को पुनः उत्पन्न करना होगा। भारत की श्रेष्ठता से विकसित देश भी भयभीत है। यह सभी को समझना होगा। इसके साथ मौलिक चिंतन वाले उत्तर स्वीकार्य।		4	सरयू पृ.सं.–83 सरयू पृ.सं.–132 से 135
14.	मानसिक उदारता, सांस्कृतिक विशालता और धार्मिक सहिष्णुता, मानवीयता, स्वाभिमान, उत्तम संगति, प्रकृति, दुष्ट प्रवृत्ति इत्यादि भाव से रहीम की रचनाएँ सरोबार है। इसी भाव वाले उदाहरण सहित उत्तर स्वीकार्य है। अथवा स्वतंत्रता पूर्व के दारिद्रयुक्त भारतीय ग्रामीण जीवन का यथार्थ चित्रण किया गया है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य		4	सरयू पृ.सं.–10 से 13 सरयू पृ.सं.–47, 48
15.	अहिंसा, करुणा, मैत्रीऔर विनय किसी भी संस्कृति को उद्धत बनाते है, सभ्य बनाते है। अतः भारतीय संस्कृति में इन गुणों को प्रमुख स्थान दिया गया है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य (भारतीय संस्कृति– बाबू गुलाबराय) अथवा लोक संस्कृति का सुन्दर चित्रण हिन्दी भाषी जनता को संगठित करने, उनमें जातीय एकता की भावना भरने में तुलसी काव्य का अद्भुत योगदान है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य (भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास)	–	3	सरयू पृ.सं.–78 सरयू पृ.सं.–120 से 125
16.	कथानायक ने अपने साथी गना को 5 पैसे के अमरुद इसी स्वार्थ के वशीभूत होकर खिलाए कि वह कथानायक से अपना दाँव नहीं माँगे। समाज में भी अधिकांशतः अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इस प्रकार का व्यवहार देखने को मिलता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य (गुल्ली डंडा–प्रेमचंद)	2+1	3	सरयू पृ.सं.–61
17.	साम्राज्ञी, अप्रतिम सुन्दरी, नीतिज्ञ, बहुश्रुता, दूरदर्शी, विवेकशील, वेद–विधा विदुषी, क्रांतिकारी, पवित्रता भक्ति की प्रखर चेतना भाव से युक्त पति को	–	3	सरयू पृ.सं.–9

उत्तर तालिका – हिन्दी

	सन्मार्ग दिखाने वाली इत्यादि गुणों के चित्रण से युक्त भाव वाले उत्तर स्वीकार्य (मंदोदरी की रावण को सीख– गो. तुलसीदास)			
18.	भाव सौंदर्य– संसार को सेंवल के फूल की तरह बाहरी रुप से आकर्षक बताया गया है। परन्तु अंततः धोखा सिद्ध होता है। ईश्वर आराधना का संदेश दिया गया है। शिल्प सौंदर्य– यह ऐसा .... सेवल का फूल में उपमा अलंकार दिना–दस–अनुप्रास अलंकार शैली आलंकारिकता, उपदेशात्मक भाषा– सघुक्कड़ी (दोहे– कबीरदास)	1½+1½	3	सरयू पृ.सं.–2
19.	घनानन्द– रीति मुक्त, स्वच्छन्द कवि, निम्बार्क सम्प्रदाय में दीक्षित, वियोग श्रृंगार प्रधान काव्य रचनाएँ ब्रजभाषा इत्यादि। अथवा महादेवी वर्मा– छायावादी प्रवर्तक प्रमुख कवयित्री, संस्मरणात्मक, रेखाचित्र लेखन के लिए प्रसिद्ध, नारी समस्याओं पर विशेष लेखन, प्रमुख रचनाऐं– नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्य गीत, अतीत के चलचित्र।	–	2	सरयू पृ.सं.–14 सरयू पृ.सं.–102
20	पहाड़ी व्यक्तियों का नैतिकतायुक्त, सादगी भरा सरल भोले जीवन को कहा है। फाहियान के भारत आगमन के समय जैसा सरल भारतीय समाज था, पहाड़ी जीवन आज भी वैसा ही है। सभी बुराइयों से परे। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य है। (सेव और देव– अज्ञेय)	–	2	सरयू पृ.सं.–111 से 119
21.	रावण का दुराचरणयुक्त व राम का सदाचारी व नैतिक शक्ति से युक्त होना। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य है। (राम की शक्ति पूजा– 'निराला')	–	2	सरयू पृ.सं.–30
22.	ऐतिहासिक एकांकी नायक शेखर अपनी प्रेयसी व पत्नी से प्रभावित होकर प्रेम की कृति 'भोर का तारा' लिखता हैं, लेकिन देश के संकट के समय उसे जलाकर देशप्रेम में ओज से परिपूर्ण गीतों का सृजन करता है तथा सिद्ध करता है कि कवि कर्म केवल आश्रयदाता की प्रशंसा ही नहीं अपितु राष्ट्र सेवा भी है। अथवा राष्ट्र के स्वरुप हेतु तीन तत्व प्रधान है। भूमि–माता की संज्ञा, जन–पुत्र की संज्ञा, संस्कृति जन सके माध्यम से पुरातन धरोहर व सभ्यता का संकलन, जो कि राष्ट्र रुपी वट का पुष्प है।	–	4	भोर का तारा पृ.सं.–79 से 81 राष्ट्र का स्वरुप पृ.सं.–9 से 14
23.	वानप्रस्थ जीवन में पुत्रों द्वारा न केवल आजादी विहीन जीवन अपितु दम्पत्ति को अलग–अलग दोनों बेटों के पास बाँट देना सर्वाधिक तकलीफ देय है। जो एकाकीपन तो झेलते हैं, साथ–साथ अपनी आजादी भी खो देते है। जो बच्चों के स्वार्थ का दंश है।	–	3	निर्वासित– सूर्यबाला पृ.सं.–15 से 24
24.	सुभाष महामारी में अपने मित्रों के साथ गाँव में गन्दी बस्ती साफ करते है। कुछ लोग विरोध करते है। इनमें हैदर नाम का गुण्डा भी है, लेकिन जब उसका परिवार चपेट में आता है तो सभी उसकी सहायता को मना कर देते है, लेकिन सुभाष व उनका दल हैदर के घर की सफाई व दवा आदि करते है। इस पर हैदर का हृदय परिवर्तन हो जाता है।	–	3	सुभाषचन्द्र बोस पृ.सं.–82 से 87
25.	बुरी मानसिकता वालों को राक्षसता का नाम दिया है। जो दूसरों की बहन–बेटी पर बुरी नजर रखते है, शोषण करते हैं। जिनकी लालसा समाप्त नहीं होती। अवांछित वस्तुओं का प्रयोग करते हैं।	1+2	3	गेहूँ बनाम गुलाब पृ.सं. – 82 से 87
26.	आर्य जाति का इतिहास गौरवमयी रहा है। विश्व को रेखा गणित, ज्योतिष, रसायन व संगीत दिया। मानसिक शांति प्राप्ति हेतु वैराग्य मार्ग दिया। भारतीय दर्शन दिया, बौद्ध धर्म दिया, वेद व धर्म की सही परिभाषा दी।	–	3	हमारी पुण्यभूमि व गौरवमय अतीत पृ.सं. – 25 से 32